आरएनआई नं. : RAJHIN/2014/59353
डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023

प्रेषण :- कार्यालय चेतक सर्कल पोस्ट ऑफिस ,उदयपुर
प्रेषण दिनांक:-प्रतिदिन

दैनिक समाचार–पत्र

मन के जीते जीत सदा

• वर्ष - 8 • अंक-2252 • उदयपुर, सोमवार 22 फरवरी, 2021 • प्रेषण दिनांक : प्रतिदिन • कुल पृष्ठ : 4 • मूल्य : 1 रुपया

सियाचीन के दुर्गम क्षेत्रों में खाना पहुंचाएगा ड्रोन

सियाचीन की दुर्गम पहाड़ी हो या फिर अरुणाचल प्रदेश का घना जगंल। भारतीय सेना को ऊंचाई वाले स्थानों पर संसाधन पहुंचाने के लिए चीता हेलिकॉप्टर उड़ाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएलए) ऐसा हेलीकॉप्टर ड्रोन तैयार कर रही है, जो न केवल 30 किलोग्राम संसाधन ले जाने में सक्षम है, बल्कि धरती से साढ़े पांच किमी ऊंचाई तक उड़ान भर सकता है। इससे सीमाई इलाकों में दुश्मन द्वारा जीपीएस ब्लॉक करके ड्रोन गिराने की कार्यवाही की जा सकती है। सियाचीन करीब 3.2 किमी की ऊंचाई पर स्थित है। यह विश्व का इतनी अधिक ऊंचाई पर 30 किलोभार के साथ उड़ने वाला इकलौता ड्रोन होगा। करीबन सभी तैयारी पूरी हो चुकी है। जून 2022 तक यह ड्रोन उड़ान भरने शुरू कर देगा।

24 घंटे में तीन उड़ान : एचएएल के इस ड्रोन की खासियत यह है कि इसे दिन या रात सहित, कैसे भी मौसम में बड़ी खूबी के साथ संचालित किया जा सकता है। यह 24 घंटे में तीन बार उड़ान भर सकता है।

आम पेट्रोल काम लेंगे : यह सामान्य पेट्रोल पर उड़ेगा। पिस्टन इंजन के लिए निविदा मांग ली गई है। इससे सेना का खर्च और घटेगा। सियाचिन में चीता हेलीकॉप्टर भी करीब 25 किलो वजन के साथ उड़ान भरता है। इसमें बहुत खर्च बढ़ जाता है।

कई खासियतों से भरा ड्रोन

- 200 किलोग्राम के साथ टेकऑफ।
- 100 किमी प्रतिघंटा की तेज गति से भरता है उड़ान।
- 3 घंटे तक लगातार उड़ान, 100 किमी तक है इसकी रेंज।
- 6 किमी ऊंचाई तक भर सकता है उड़ान।
- 5.5 किमी. ऊंचाई पर होवर कर सकता है।
- 30 किलोग्राम तक उठा सकता है वजन।

अब एआइ बचाएगा फसल को

नई दवाओं के निर्माण के क्षेत्र में आर्टिफिशल इंटेलिजेंस पहले की कमाल दिखा रहा है। अब कीटनाशक उद्योग भी इसे आजमा रहे हैं। स्विट्जरलैंड की कंपनी सिन्जेटा अब इनसिल्को मेडिसिन के साथ मिलकर आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के टूल्स का प्रयोग कर खरपतवार नाशक बनाने में लगी है। इसके लिए पारम्परिक तौर पर प्रयोगशालाओं मे होने वाली प्रारंभिक चरण की प्रक्रिया के बाद एआई की सहायता से ऐसे अणु बनाए जा सकते हैं, जो फसल संरक्षण में उपयोगी हों। कम्पनिया ऐसे कीटनाशक बनाना चाहती हैं जो लंबे समय तक असरदार रहे और पर्यावरण के अनुकूल हों। बढ़ते पर्यावरण और स्वास्थ्य चिंताओं के मददेनजर एआई का प्रयोग किसानों के लिए पारम्परिक कीटनाशकों का विकल्प लेकर आया हैं, जो लंबे समय तक असरदार रहने वाला है। सिन्जेटा में फसल सरंक्षण अनुसंधान प्रमुख ने कहा– यह गेमचेंजर साबित हो सकता है।' विवादों में आने के बावजूद पचास साल पुराना रसायन ग्लाइफोसेट आज भी ज्यादातर किसानों की पहली पसंद है, लेकिन अब कीटों व खरपतवार पर इसका असर होना बंद हो गया है। कोरसी ने कहा है कि ग्लाइफोसेट का विकल्प तैयार करना कीटनाशक उद्योग के समक्ष सबसे बड़ी चुनौती है और हम इसके लिए कई सालों से प्रयासरत है। एआई तकनीक से ही इसका समाधान मिल सकता है। यह बात पिछले साल तब सुर्खियों में आई जब गूगल की एक ईकाई ने प्रोटीन की सरंचना संबंधी भविष्यवाणी की, जिसमें कहा गया कि ये औषधि अनुसंधान से लेकर एंजाइम बनाने तक में काम आ सकते हैं, जो प्रदूषणकारी तत्वों को भी खत्म करने में कारगर होंगे। कृषि क्षेत्र की बात की जाए, तो पारम्परिक पेस्टिसाइड्स का विकल्प लाने के लिए ही रसायन एवं जैव तकनीकी कम्पनियां साथ मिलकर काम कर रही हैं। दरअसल कम्पनियां चाहती हैं कि पारम्परिक रसायनों के बदले ऐसे कीटनाशकों का प्रयोग किया जाए, जो मनुष्यों के लिए विषाक्त न हों और जलवायु परिवर्तन के प्रति संवदेनशील हों।

सेवा पथ पर आपका अपना नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर

एसबीआई ने भेंट की नारायण सेवा को स्कूली बस

स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के महाप्रबंधक(दक्षिण) शिवओम जी दीक्षित ने शुक्रवार को बैंक के सामाजिक उत्तरदायित्व प्रकल्प के तहत नारायण सेवा संस्थान द्वारा संचालित नारायण चिल्ड्रन एकेडमी को गरीब बच्चों की सेवार्थ 32 सीटर बस भेंट की। उन्होंने संस्थान द्वारा दिव्यांगों, निर्धनों , मूक बधिर, प्रज्ञा चक्षु व निःशक्त बालकों की अधुनातन शिक्षा व्यवस्था की सराहना करते हुए इन कार्यों में बैंक की सहभागिता निरन्तर रखने का आश्वासन दिया।

इससे पूर्व संस्थान के अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने स्वागत करते हुए संस्थान की 35 वर्षीय सेवा यात्रा का जिक्र किया और दिव्यांगों के लिए निर्माणाधीन 450 बेड के हॉस्पिटल की जानकारी दी। समूह प्रभारी पलक जी अग्रवाल ने लॉकडाउन के दौरान बेरोजगार और गरीबों को निःशुल्क राशन पहुंचाने की जानकारी दी। इस दौरान उपमहाप्रबंधक कुँवर दिनेश प्रताप सिंह जी तोमर, क्षेत्रीय महाप्रबंधक अमरेन्द्र कुमार जी सुमन सहित उदयपुर आर एन्ड डीबी के पदाधिकारी भी मौजूद थे। अतिथियों ने झारखंड, मध्यप्रदेश, बिहार आदि राज्यों से आये दिव्यांगों को ट्राईसाइकिल व व्हीलचेयर भी प्रदान की।

खेरवाड़ा (उदयपुर) में दिव्यांग जांच चयन उपकरण वितरण शिविर

भारत सरकार की एडीप योजना के अंतर्गत नारायण सेवा संस्थान का सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के सहयोग से पंचायत समिति खेरवाड़ा में दिव्यांगता जाँच, चयन एवं उपकरण वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि प्रधान महोदया श्रीमती पुष्पा जी मीणा ने दीप प्रज्वलन कर किया। संस्थान अध्यक्ष प्रशांत जी अग्रवाल ने बताया कि शिविर में आए 72 रोगियों की जांच व चिकित्सा डॉ मानस रंजन जी साहू ने की। शिविर में विकास अधिकारी पंचायत समिति खेरवाड़ा आर.के. वर्मा जी आदि कई गणमान्य मेहमान उपस्थित थे। शिविर प्रभारी हरिप्रसाद जी लड्ढा ने जनप्रतिनिधियों और अतिथियों का अभिनंदन किया। शिविर में 10 दिव्यांगजन को ट्राईसाइकिल, 05 को व्हीलचेयर, 10 को वैशाखी और 26 कैलीपर्स भेंट किए और 05 दिव्यांगों का शल्य चिकित्सा के लिए चयनित किया। शिविर में लोगर जी डांगी, मोहन जी मीणा, नरेन्द्र सिंह जी झाला ने भी सेवाएं दी।

कोरोना प्रभावित क्षेत्रों – प्रांतों के हजारों गरीबों की चिन्ता मिटी

अन्नदान – महादान इसे सार्थक करते हुए आपका नारायण सेवा संस्थान विभिन्न स्थानों राशन वितरण के शिविर कर चुका है। कोरोना की इस विषम परिस्थिति में गरीबों के प्राण बचाने की जिम्मेदारी हम सबकी है। ऐसा मानते हुए मानवता का धर्म निभाने में प्रतिमाह हजारों किट वितरित जा रहे हैं। आपके सहयोग से सेवा दूर – दूर तक मदद की आस लगाए बैठे अन्तिम व्यक्ति तक पहुंचाई जा रही है। पिछले माह में हुए शिविरों की रिपोर्ट इस प्रकार है।

अहमदाबाद– उधियाधाम मन्दिर में स्थानीय दानवीर श्री वल्लभभाई धनानी के सहयोग से राशन वितरण शिविर हुआ। जिसमें गरीब अनाथ कच्ची बस्ती के 66 परिवारों को मासिक खाद्य सामग्री दी गई। शिविर की मुख्य अतिथि मुंसिपल काउन्सलर रंजन बेन मसियान थी। अध्यक्षता समाजसेवी चिनुभाई पटेल ने की। अतिथि रिकीट भाई शाह, नरेश भाई पारडिया, रमेश भाई पटेल, जयेश पटेल, आशुतोष पंडित आदि मौजूद रहे।

गंगाखेड़ (परभणी) – महाराष्ट्र के परभणी शाखा संयोजिका श्रीमती मंजू दर्डा के सौजन्य से गंगाखेड़ में नारायण गरीब परिवार राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ। जिसमें 107 गरीब मजदूर परिवार राशन लेते हुए मुसकुराये। शिविर में अंकुश जी वाघमारे, सुनील जी कोणाडे, पिरानी कोबड़े, उत्तम जी आवंके, सुहास जी पाठक, विठल जी चामें आदि अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

हापुड (उ.प्र.)– डिलाईट टेन्ट हाऊस, हापुड के मनोज कंसल के सहयोग से बाड़ी बाजार में नारायण राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ जिसमें स्थानीय 24 गरीब मजदूर परिवारों को एक महिने की कच्ची भोजन सामग्री निःशुल्क दी गई।

शिविर में कैलाशचंद्र जी शर्मा मुख्य अतिथि, रामअवतार जी कंसल अध्यक्ष एवं लच्छीराम जी कंसल विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहकर संस्थान के सेवा कार्यों की सराहना की।

शामली– 27 अक्टूबर को शामली (उ.प्र.)

मैं स्थानीय सहयोगी श्री सुनील गर्ग के सहयोग से शिविर हुआ। मुख्य अतिथि अरविन्द संगलपूर्व चैयरमैन – नगरपालिका, शंभुनाथ जी तिवारी– सीडीओ शामली और बहादुर वीर राय (सीएमओ) की उपस्थिति में 51 निर्धन एवं जरूरतमंद परिवारों को मासिक राशन सामग्री किट दिए गए।

आगरा– आगरा आश्रम के अनुरोध एवं सर्वे पर संस्थान ने राशन वितरण शिविर आयोजित किया। जिसमें 37 मजदूर और दलित शोषित परिवारों को एक माह की कच्ची भोज्य सामग्री निःशुल्क वितरित की गई। शिविर के दिन मुख्य अतिथि सत्यप्रकाश जी शर्मा, महेश जी जोहरी, शिवम जी शर्मा, कैलाश गुप्ता उपस्थित रहकर संस्थान द्वारा कोरोना प्रभावितों के लिए की जा रही सेवाओं से अवगत हुए।

बिलासपुर (छत्तीसगढ़)– बिलासपुर शाखा के संयोजक डॉ. योगेश गुप्ता के सहयोग से सामुदायिक भवन, शांतिनगर, बिलासपुर में नारायण गरीब राशन योजना की शृंखला में आयोजित हुआ। जिसमें 56 असंगठित क्षेत्र के मजदूर एवं निर्धन परिवारों को खाद्य सामग्री किट दिए गए। शिविर के मुख्य अतिथि सुधीर गुप्ता महाप्रबंधक स्मार्ट सिटी, के.पी. गुप्ता, विजयगुप्ता, रामप्रसाद जी अग्रवाल, अरविन्द जी गुप्ता, डॉ. श्रीवास्तव उपस्थित रहे।

भायंदर (महाराष्ट्र) – श्री किशोर जी जैन के शुभ सहयोग से भायन्दर में नारायण राशन वितरण शिविर हुआ। जिसमें 38 राशन किट बांटे। शिविर के मुख्य अतिथि राजेन्द्र जी चाण्डक, सुषमा जी सोनी और कोमल जी अग्रवाल आदि सम्मानित जन मौजूद रहे।

लखनऊ– लखनऊ के राज स्टेट मैरिज लॉन में राशन वितरण शिविर डॉ. सुषमा तिवारी के पुनीत सौजन्य से आयोजित हुआ जिसमें 36 राशन किट वितरित किया। शिविर में मुख्य अतिथि राहुल जी रस्तोगी, कर्नल हुक्मसिंह जी बिष्ठ, अभिषेक हाण्डा, अजित जी ग्रेगरी, जार्ज जी गोपाल, नरेन्द्रनाथ, सुश्री गुप्ता और आर.के. सिंह जी आदि गणमान्य उपस्थित रहे।

लोसल (सीकर)– स्थानीय शाखा संयोजक जगदीश प्रसाद प्रजापत के सहयोग से प्रजापति भवन, सुर्यनगर, लोसल में राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ। शिविर में 70 निर्धन मजदूर परिवारों को राशन सामग्री मिली।

शिविर में प्रभुसिंह जी राठौड़, मुकेश जी कुमावत, त्रिलोचंद्र जी प्रजापत, सीताराम जी प्रजापत अतिथि के रूप में मौजूद रहे तथा संस्थान के सेवा कार्यों में निरन्तर सहयोग देने का भरोसा दिलाया।

जयपुर– शाखा संयोजक नंदकिशोर बत्रा के स्थानीय सहयोग से जयपुर में राशन वितरण शिविर लगाया गया। अति निर्धन एवं मजदूर 28 परिवारों को राशन किट निःशुल्क भेंट किए गए। शिविर में सुरेश जी पारीख मुख्य अतिथि पूज्य महाराज चमनगिरी जी एवं सावित्री देवी जी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहे।

श्रीगंगानगर– श्री बिन्दु गोस्वामी शाखा संयोजक श्रीगंगानगर के शुभ सहयोग से राशन वितरण शिविर आयोजित हुआ जिसमें 46 खाद्य सामग्री किट निर्धन एवं मजदूर परिवारों के हाथों में निःशुल्क सौपे गए। शिविर में अतिथि डीवाईएसपी वी.के. जी नागपाल, केशव जी शर्मा, श्यामलाल जी बगडिया, सतीश, नीतू, राजकुमार जी जोग आदि मौजूद रहे।

संस्थान निर्मित आर्टिफिशियल लिम्ब टिकाऊ

संस्थान का वर्कशॉप आर्टीफिशयल लिम्ब निर्माण में आधुनिक समय की लेटेस्ट जर्मन तकनीक का उपयोग करता है। जोकि गुणवत्ता के मापदण्ड में पूर्णतः खरा उतरता है। संस्थान की अनुभवी ऑर्थोटिस्ट एवं प्रोस्थोटिस्ट टीम दिव्यांगों की भावनाओं का ध्यान रखते हुए व्यवहार करती है। डॉक्टर्स, प्रोस्थेटिक को फिट करते समय दिव्यांग बन्धुओं की तकलीफ एवं चुनौतियों को करीब से जानते है। फिर उन्हें कृत्रिम अंग पहनने व उतारने के साथ रोजमर्रा की जिन्दगी में उपयोग लेने का प्रशिक्षण देते हैं। अतः संस्थान निःशुल्क आर्टिफिशयल लिम्ब लगाने के अलावा अभ्यास पर भी जोर देता है। जिसे सफल परिणाम आ रहे हैं। आज तक 15 हजार से अधिक दिव्यांगों को कृत्रिम अंग बोंटे जा चुके हैं।

नारायण दिव्यांग सहायता एवं निःशुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर

फतेहपुरी , दिल्ली
श्री जतनसिंह भाटी,मो.- 9999175555
श्री कृष्णावतार खंडेलवाल -7073452155
कटरा बरियान, अम्बर होटल के पास, फतेहपुरी,दिल्ली-6

रायपुर
श्री भरत पालीवाल,मो. 7869916950
मीरा जी राव, म.नं.-29/500 टीवी टावर रोड, गली नं.-2, फेस-2
श्रीरामनगर,पो.-शंकरनगर,रायपुर,छ.ग.

अम्बाला
श्री राकेश शर्मा,मो. 07023101160
सविता शर्मा, 669, हाऊसिंग बोर्ड कोलोनी अरबन स्टेट के पास, सेक्टर-7 अम्बाला (हरियाणा)

भायंदर (मुम्बई)
श्री मुकेश सेन, मो. 9529920090
ओसवाल बगीची, आरएनटी पार्क
भायन्दर ईस्ट मुम्बई - 401105

इन्दौर
श्री जसवंत मेनारिया,मो. 09529920087
जी 02, 19-20 सुचिता अपार्टमेंट
शंकर नगर,नियर चंद्र लोक चौराहा
खजराना रोड, इंदौर-452018

मोदीनगर, यू.पी.
एस.आर.एम. कॉलेज के सामने,
मॉर्डन एकेडमी स्कूल के पास,मोदीनगर

राजकोट
श्री तरूण नागदा,मो. 09529920083
भगत सिंह गार्डन के सामने आकाशवाणी चौक, शिवशक्ति कॉलोनी, ब्लॉक नं. 15/2 युनिवर्सिटी रोड,राजकोट (गुजरात)

लोनी
श्री धर्मेश गर्ग, 9529920084
दानदाता : डॉ. जे.पी. शर्मा, 9818572693
श्रीमती कृष्णा मेमोरियल नि:शुल्क फिजियोथेरेपी सेन्टर, 72 शिव विहार, लोनी बन्थला, चिरोड़ी रोड (मोक्षधाम मन्दिर) के पास लोनी, गाजियाबाद (यू.पी.)

जयपुर
श्री हुकम सिंह,9928027946
बद्रीनारायण वैद फिजियोथेरेपी हॉस्पीटल एण्ड रिचर्स सेन्टर बी-50-51 सनराईज सिटी,मोक्ष मार्ग, निवारू झोटवाड़ा,जयपुर

रतलाम
विमल निवास ,स्ट्रीट नंबर 1, स्टेशन रोड ,रतलाम (म.प्र.) पिन-457001

अहमदाबाद
श्री कैलाश चौधरी,मो. 09529920080
सी-5, कौशल अपार्टमेन्ट,नियर शाहीबाग, अण्डर ब्रीज के नीचे,शाहीबाग, अहमदाबाद (गुज.)
3/28, गुजरात हाऊसिंग सोसायटी नियर बापू नगर पुलिस स्टेशन अहमदाबाद (गुजरात)

शाहदरा, दिल्ली
श्री भंवर सिंह मो. 7073474435
बी-85, ज्योति कॉलोनी,
दुर्गापुरी चौक,शाहदरा, दिल्ली-32

गाजियाबाद (2)
सुरेश कुमार गोयल -8588835716
श्रीमती शीला जैन नि:शुल्क फिजियोथेरपी सेंटर,बी.-350 न्यू पंचवटी कॉलोनी, गाजियाबाद -201009

हैदराबाद
श्री महेन्द्रसिंह रावत, 09573938038
लीलावती भवन, 4-7-122/123 इसामिया बाजार, कोठी , संतोषी माता मंदिर के पास,हैदराबाद -500027

आगरा (उ.प्र.)
श्री राजमल शर्मा,मो. 7023101174
104बी, विमल वाटिका, कर्मयोगी एन्कलेव, कमलानगर, जैन मन्दिर के सामने वाली गली, आगरा (उ.प्र.)

हाथरस
श्री योगेश निगम मो. 7023101169
एलआईसी बिल्डिंग के नीचे, अलीगढ़ रोड, हाथरस (यू.पी.)

गाजियाबाद (1)
श्री सुरेश गोयल,मो. 08588835716
184, सेठ गोपीमल धर्मशाला कैलावालान, दिल्ली गेट गाजियाबाद (उ.प्र.)

मथुरा
श्री नवनीत सिंह पंवार,मो.-7023101163
77-डी, कृष्णा नगर, मथुरा (उ.प्र.)

अलीगढ़
श्री योगेश निगम,मो. 7023101169
एम.आई.जी. -48,विकास नगर
आगरा रोड़, अलीगढ़ (यू.पी)

देहरादून
श्री मुकेश जोशी मो. 7023101175
साईं लोक कॉलोनी,गांव कार्बरी ग्रांट, शिमला बाय पास रोड, देहरादून
पिनकोड -248007 (उत्तराखंड)

सम्पादकीय

सेवा क्यों करता है व्यक्ति? यह प्रश्न स्वाभाविक भी है और तार्किक भी। वस्तुतः संसार में सेवा के अनेक प्रकल्प, अनेक व्यक्ति और अनेक संस्थान हैं। सभी अपने अपने तरीके से सेवालीन रहते हैं। कुछ लोग जो सेवा तो नहीं करते पर सेवा में सहयोग करते है। यह भी अनुकरणीय है जो लोग उपर्युक्त में से कुछ नहीं करते वे सेवा सराहना करते हैं, यह भी श्रेष्ठ है। किंतु कुछ लोग ऐसे भी मिल जाते है जो सेवा कार्यों की आलोचना करते हैं। वे कहते है कि फलां व्यक्ति अपनी प्रसिद्धि के लिये सेवा कर रहा है। या अपना स्वार्थ सिद्ध कर रहा है। या उसके पास अतिरिक्ति धन व शक्ति है उसको खर्च कर रहा है, या भावी लोक में जाने की पात्रता के लिये कर रहा है। या उसका स्वभाव है इसलिये कर रहा है।

जो भी हो ये विचार उन लोगों के अपने विचार है पर जो सेवारत है उसे जानना चाहिये कि सेवा भले ही किसी भी कारण से हो वह सेवा ही है। हाँ, सेवा करते–करते श्रेष्ठता आती ही है। अतः आलोचना को दर किनार करके सेवा में लगे रहना ही मानव कर्त्तव्य है।

कुछ काव्यमय

सेवा करना श्रेष्ठ है,
देखे नहीं प्रकार।
सेवा ही है वंदना,
सेवा ही आचार।
जैसे भी हो बन पडे,
सेवा हो दिनरात
केवल सेवा भाव ही
चले हमारे साथ।

- वरदीचन्द राव, अतिथि सम्पादक

जिन्दगी जीना सिखाया संस्थान ने

मेरा नाम धमेन्द्र है जिला धौलपुर, राजस्थान से हूँ। मैं छोटा था तब मेरा पैर टेढ़ा हो गया। मतलब मेरे को चलने में प्रॉब्लम होती थी। तो फिर में नारायण सेवा संस्थान गया। वहां पर मैने ऑपरेशन करवाया, मैरा पेर सीधा हो गया। केलीपर लगा रखा ये। अब चलने में कोई दिक्कत नहीं है।

संस्थान में उसका निःशुल्क ऑपरेशन हुआ। अब धमेन्द्र आसानी से चलने लगा। वहां पर एक पैसा भी नहीं लगा। खाना– पीना– रहना नारायण सेवा संस्थान का था। यहीं पर उसने मोबाईल रिपेयरिंग का काम भी सीखा। और अपने लिये दो वक्त की रोटी का हूनर हमेशा के लिये पा लिया। वह कहता है– अब में जॉब कर रहा हूँ। आज मैं अच्छे से कमा सकता हूँ। मेरे को कोई दिक्कत नहीं हैं। सब लोग कमाते थे, मेरे पास कुछ भी मतलब काम करने के लिये ना तो कोई मुझे जॉब देता था। धमेन्द्र करता भी क्या? बचपन में टेढ़े हुए पैरों ने सिर्फ खिसकना सिखाया था। पर नारायण सेवा संस्थान ने उसे जिन्दगी जीना सिखाया। परिवार की खुशियां लौट आई। घरवाले भी मेरे से खुश है, धन्यवाद देता हूँ अपनी ओर से।

अपनों से अपनी बात

निराश्रितों की आंखों में झांके

एक चक्रवर्ती राजा की मखमली गदेलों पर करवटें बदलते हुए झपकी लगी ही थी कि पड़ोसी देश के राजा ने संदेश भेजा –"युद्ध के लिए तैयार हो जाओ अथवा अधीनता स्वीकार करो।" युद्ध होना था –हुआ। राजा बुरी तरह हारे। सब कुछ छोड़कर भागे जा रहे हैं –भूखे प्यासे, शत्रुओं द्वारा पकड़े जाने का बड़ा भय, तीन दिन से अन्न का दाना नहीं गया पेट में। कपड़े तो तार–तार हो ही गये थे, लगा कि भूख के मारे प्राण भी साथ छोड़ देंगे।

सामने नजर गई तो देखते हैं कि लम्बी सी लाईन लगी हुई है। सबके हाथों में कटोरे हैं। तख्ते पर बैठा हुआ व्यक्ति कड़ाह में से खिचड़ी निकालता है तथा एक–एक व्यक्ति के कटोरे में रख देता है। भूख के मारे राजा लाईन में लग गये दो घण्टे के बाद जब नम्बर आया

तो देखा कि थोड़ी सी ही खिचड़ी बची है। जैसे ही उनका नम्बर आया मात्र जली हुई कुछ खिचड़ी चिपकी हुई रह गई थी। बड़े करुण हृदय से बोले– सेठजी किसी तरह से यह जली हुई ही मुझे देदो, भूख बहुत लगी है। जैसी तुम्हारी इच्छा कहते हुए मुनीमजी ने जली हुए परत के दो चम्मच फैले हुए दोनों हाथों पर रख दिये। काँपते हुए हाथ मुँह की तरफ बढ़े ही थे कि कुत्ते ने झपट्टा मारा, राजा जी कराह उठे, और उनकी चीत्कार सुनते ही समीप सोई रानी ने घबरा कर पूछा– "क्या हुआ महाराज?" आप चिल्लाये कैसे ?" राजा तो चारों तरफ देख रहे थे, दो ही प्रश्न बार–बार पूछ रहे थे या तो यह सच या वह सच ? प्रश्न अभी भी समाज के सामने उत्तर की प्रतीक्षा रहा है। कुछ कहावतें हमने झूठी होती देखी देता। उनमें से एक यह भी कि "भगवान भूखा उठाता है पर भूखा सोने नहीं देता ।" उन आदिवासियों के झोपड़े भी हमने जहाँ तीन–तीन दिन से चूल्हे नहीं जले।

आइए, आप और हम भी ऐसे निराश्रित लोगों की आंखों में झांकने का प्रयास करें। हृदय इन प्रश्नों का उत्तर देगा – हमारी करुणा –प्रभु कृपा से।

– कैलाश 'मानव'

मीठे संतरे

एक बूढ़ी औरत नगर के चौराहे पर संतरे बेचा करती थी। एक युवक अक्सर अपनी पत्नी के साथ वहाँ आता और बूढ़ी औरत से संतरे खरीदता।

वह युवक जब भी संतरे खरीदता, उनमें से एक संतरे का एक टुकड़ा चखता और बूढ़ी औरत से संतरे मीठे नहीं होने की शिकायत करता। बहसबाजी के दौरान वह बूढ़ी औरत को संतरा चखने के लिए कहता। बूढ़ी औरत संतरे का टुकड़ा खाती और कहती –बाबूजी, यह संतरा तो मीठा है, परंतु वह युवक मानता ही नहीं तथा वह उस संतरे को वहीं छोड़कर, अन्य संतरे लेकर वहाँ से चला जाता। उस बचे हुए संतरे को बाद में वह बूढ़ी औरत खाती।

एक दिन उस युवक की पत्नी ने उससे कहा –ये संतरे तो हमेशा ही बहुत मीठे होते हैं, परंतु तुम बेवजह उस बेचारी बूढ़ी औरत से शिकायत करते हो, ऐसा क्यों?

तब उस युवक ने अपनी पत्नी को समझाते हुए कहा–वह बूढ़ी माँ जो संतरे बेचती है ना, वह बहुत मीठे संतरे बेचती है। परंतु वह खुद कभी इन्हें नहीं खाती। इस तरह मैं उसे संतरे खिला देता हूँ। एक दिन उस बूढ़ी औरत के पड़ौस में सब्जी बेचने वाली औरत से पूछा – यह जिद्दी लड़का संतरे लेते समय इतनी झिक–झिक करता है और संतरे तोलते समय मैंने तुम्हें देखा है कि तुम हमेशा ही पलड़े में निर्धारित वजन से ज्यादा संतरे तोलकर देती हो।

इस पर बूढ़ी औरत ने उत्तर दिया– उसकी झिक–झिक संतरे के लिए नहीं, अपितु मुझे संतरा खिलाने को लेकर होती है। वह समझता है कि मैं उसकी बात समझती नहीं, पर मुझे सब पता है। अतः मैं सिर्फ उसका प्रेम देखती हूँ, पलड़े में संतरे तो अपने आप बढ़ जाते हैं।

–सेवक प्रशान्त भैया

एक सेवाभावी मानव की जीवनी

(वरिष्ठ पत्रकार श्री सुरेश जी गोयल द्वारा लिखित–झीनी–झीनी रोशनी से)

अमेरिका आये महीना भर होने को था। अब वापसी के दिन आ रहे थे। मनु भाई के साथ रहते ही एक दिन एक व्यक्ति कैलाश से मिला, उसने बताया कि यहां से 200 कि.मी. दूर तक एक नगर है जहां उसके मित्र रहते हैं, अगर आप वहां चलें तो 1000 – 1500 डालर एकत्र हो सकते है। कैलाश ने खुश होकर हामी भर दी । मनु भाई को जब वह बात पता चली तो बहुत नाराज हुए, हमसे पूछा ही नहीं और हां भर दी, तुम यहां के लोगों को नहीं जानते। डॉ. अग्रवाल भी नाराज हो गये। दोनों को इस तरह रूष्ट देखा तो कैलाश ने कहा दिया कि वहां नहीं जायेंगे। उसके लिये पैसे से ज्यादा अपने साथियों को प्रसन्नता महत्पूर्ण थीं।

कैलाश को इस तरह के मतभेदों का पहले ही आभास था उसने उदयपुर से निकलते समय हो डॉ. अग्रवाल के चरणों में गिरते हुए उनमें हाथ जोड़कर निवेदन कर दिया था कि उदयपुर में से हफ्ते में एकाध बार घंटे दो घंटे के लिये मिलना होता है। इसलिये निभ जाता है। मगर इस यात्रा में महीने भर तक साथ रहना है। मनमुटाव होना स्वाभाविक है। अगर उसकी किसी भी बात से डॉ साहब को वेदना पहुँचे तो उसे क्षमा कर दें। डॉ. अग्रवाल ने तब कैलाश की बात को हंस कर टाल दिया था मगर आज जब वाकई उसे तरह को मनमुटाव प्रत्यक्ष नजर आया तो वे कैलाश की दूरदृष्टि और उसकी मानव व्यवहार पर पकड़ के कायल हो गये। उन्होंने सहज होकर कह दिया कि तेरी इच्छा है तो चले जाना । मनुभाई भी डॉ. अग्रवाल में अचानक आये इस परिवर्तन से हैरान थे।

इस तरह हजार 1500 डालर और एकत्र हो गये और वापस भारत लौट आये। अमेरिका का अनुभव कोई खास नहीं रहा। आने– जाने में ही काफी खर्चा हो गया था। रकम भी विशेष नहीं मिली थी मगर महीने भर एक नितान्त नई दुनिया में रहने और तरह– तरह के लोगों से मिलने का अनुभव विलक्षण रहा था।

अंश-182

शरीर को अंदर से साफ और स्वस्थ रखती हैं ये चीजें

दिन ब दिन बिगड़ती जीवन शैली और खान–पान का सीधा असर हमारी सेहत पर पड़ता है। इसके कारण शरीर में कई विषैले तत्व बन जाते हैं जो बीमारियों को जन्म देते हैं। ऐसे में आज हम आपको कुछ ऐसी आयुर्वेदिक औषधियों के बारें में बताएंगे, जो आपको अंदर से स्वस्थ रखने में मदद करेंगी।

अश्वगंधा :– अश्वगंधा का इस्तेमाल प्राचीन समय से ही दवाइंया बनाने के लिए होता आ रहा है। रोजाना इसका सेवन कार्य नींद, हार्मोन्स बैलेंस, हड्डियों व बालों के लिए काफी फायदेमंद होता है।

हल्दी :– एंटीबैक्टीरियल गुणों से भरपूर इम्यून सिस्टम को बूस्ट करने के साथ ब्लड सर्कुलेशन, ब्रेन फंक्शन और डाइजेशन सिस्टम को सुचारू रूप से चलाने में मदद करती है।

दालचीनी :– दालचीनी, भोजन में स्वाद बढ़ाने के अलावा सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है।

हरी इलायची :– श्वसन क्रिया, डाइजेशन, ओरल हेल्थ और किडनी को डिटॉक्स करने के लिए रोजाना 2 हरी इलायची जरूर खाएं।

तुलसी :– तुलसी की 3–4 पत्तियां चबाने या इसका काढ़ा व चाय पीने से इम्यून सिस्टम मजबूत होता है। इसके अलावा यह लिवर डिटॉक्स, ग्लोइंग स्किन व नर्वस सिस्टम के लिए भी काफी फायदेमंद है।

जीरा :– ब्लड सर्कुलेशन बढ़ाने में जीरा काफी फायदेमंद है। इसके अलावा भोजन में जीरे का इस्तेमाल ब्रेन फंक्शन डाइजेशन और लिवर फंक्शन को सही रखता है।

अनुभव अमृतम्

माताओं बहनों और बन्धुओं, ये देश–विदेश की यात्रा करना कोई बड़ी उपलब्धि नहीं है। एक पक्षी आकाश में कितना आगे तक उड़ जाता है। उतना हम नहीं बढ़ पाते, हम नहीं उड़ पाते। जलचर, थलचर और नभचर कई प्राणियों में ऐसी विशेषता होती है। बहुत बड़ी जो हमारे में नहीं होती है। लेकिन मनुष्य में एक विशेषता है कि वह कर्म कर सकता है। अच्छा कर्म कर सकता है। प्रेम दे सकता है। सद्भावना के साथ में किसी की मदद कर सकता है। अच्छा इंसान बन सकता है। आँसू पौंछ सकता है, दूसरों के दुःखों में राहत के दो बोल दे सकता है। मन में बार–बार ये समझ सकता है कि सभी में परमात्मा है। सामने वाले में भी राम है। इनमें भी कृष्ण है। मेरी माताजी में दुर्गामाता है, गायत्री माता है। कई बार जब देखते हैं कि दापत्य जीवन तनाव पूर्ण चल रहा है, तो आश्चर्य होता है। जब समर्पण कर दिया। आपका विवाह हो गया। अब आपको उस जीवन को बड़े आनन्द से जीना चाहिये। प्रसन्नता के साथ एक दूसरे को सम्मान देने के साथ, एक दूसरे के आदर देने के साथ, भावना समझने के साथ में जीना चाहिये। अपनी ही अपनी चले, ऐसा नहीं। सामने वाले की बात होवे, उनकी सुने, समझें करें। तो बन्धुओं, भाइयों जब में यूरोप के कुछ देशों की यात्रा कर रहा था। जो कुछ बड़ी बात नहीं है। कई बार होता है जब यात्रा करते हैं। उस समय इस साढ़े तीन हाथ की देह देवालय की यात्रा ध्यान के प्रभाव से जो करने की कृपा भगवान करवाता था। शरीर की यात्रा भी अपन नहीं कर सकते हैं।

सेवा ईश्वरीय उपहार– 62 (कैलाश 'मानव')

संस्थान का आभार जताया थैंक्यू नारायण सेवा संस्थान

25 सालों से एक हाथ के बिना जिंदगी जीने वाले एक शख्स हनुमानगढ के भंवर सिंह हैं। जिनके होठों पर मुसकराहट है। यह कहना है उनका– मेरा नाम भंवर सिंह है आज मैं खुश बहुत हूँ। मेरे कृत्रिम हाथ लगाया। 25 साल बिना हाथ रहा। मैं गंगानगर हनुमानगढ़ से आया हूँ। नारायण सेवा ने इन्हें निःशुल्क हाथ लगाकर उसकी जिंदगी में खुशिया भर दीं। वो तहेदिल से संस्थान का आभार व्यक्त करता है।

अपने बैंक खाते से संस्थान के बैंक खाते में जमा करें - अपना दान

आप अपना दान सहयोग नारायण सेवा संस्थान, उदयपुर के नाम से संस्थान के बैंक खातों में सीधे भी जमा करवाकर PAY IN SLIP भेजकर सूचित कर सकते हैं, जिससे दान प्राप्ति रसीद आपको भेजी जा सके।

संस्थान पेन कार्ड नम्बर AAATN4183F, टैन नम्बर JDHN01027F

Bank Name	Branch Address	RTGS/NEFT Code	Account
State Bank of India	H.M.Sector-4	SBIN0011406	31505501196
ICICI Bank	Madhuban	ICIC0000045	004501000829
Punjab National Bank	KalajiGoraji	PUNB0297300	2973000100029801
Union Bank of India	Udaipur Main	UBIN0531014	310102050000148

संस्थान को दिया गया दान-सहयोग आयकर अधिनियम 1961 की धारा 80G के अन्तर्गत 50 प्रतिशत नियमानुसार छूट के योग्य है।

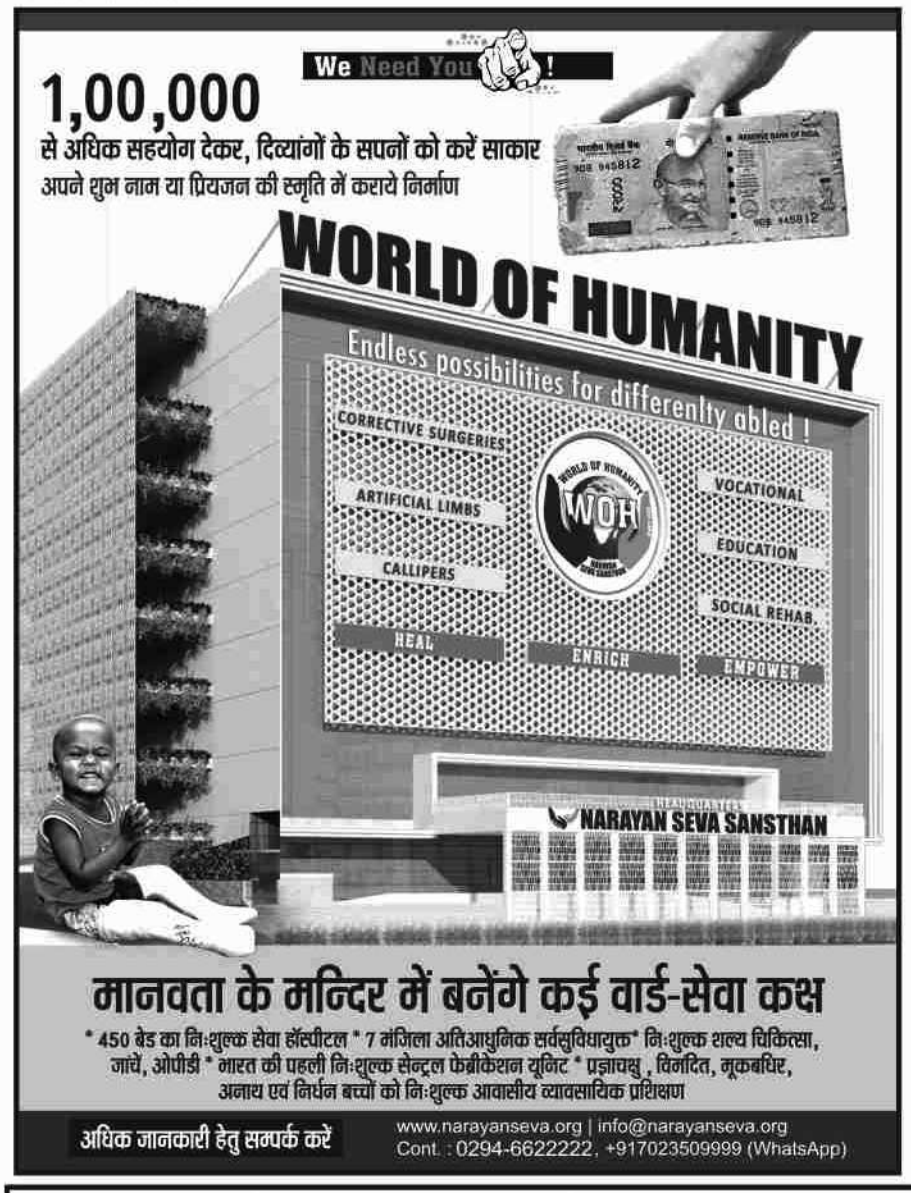

'मन के जीते जीत सदा' दैनिक समाचार-पत्र अब ऑनलाईन साईट पर भी उपलब्ध है
www.narayanseva.org, www.mannkijeet.com
: kailashmanav

मन के जीते जीत सदा (दैनिक समाचार-पत्र) प्रकाशक : कैलाश चन्द्र अग्रवाल स्वामित्व : नारायण सेवा संस्थान प्रकाशन स्थल : सेवाधाम, सेवानगर, हिरण मगरी, से. 4, उदयपुर (राज.) 313002
मुद्रक : न्यूट्रेक ऑफसेट प्रिंटर्स, 13, भोपा मगरी, बी.एस.एन.एल. एक्सचेंज के पास, हिरण मगरी, सेक्टर - 3 उदयपुर (राज.) के लिए नारायण प्रिंटिंग प्रेस, सेवा महातीर्थ, लियो का गुडा, उदयपुर
• सम्पादक : लक्ष्मीलाल गाडरी, मो. 8278607811, 9119398965 • ई-मेल : mankijeet2015@gmail.com • आरएनआई नं. RAJHIN/2014/59353 • डाक पंजी सं. : RJ/UD/29-154/2021-2023